दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 26 जनवरी 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 120

बधाई एवं अवकाश सूचना

सभी पाठकों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं... गणतंत्र दिवस के अवसर पर न्याय साक्षी कार्यालय में 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

बारिश के कारण पहाड़ों से गिर रहे पत्थर, बावजूद इसके खोला जम्मू-श्रीनगर हाईवे

जम्मू (आरएनएस)। मेहर और पंथियाल में बारिश के कारण पहाड़ों से पत्थर गिरने के बावजूद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि भारत जोड़ो यात्रा के गुजरने तक नशीरी और बनिहाल के बीच राजमार्ग पर यात्रा न करें। ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट में कहा, मेहर और पंथ्याल में रुक-रुक कर पहाड़ों से पत्थर गिरना जारी है, बारिश का मौसम है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे नाशरी और बनिहाल के बीच जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर यात्रा न करें, जब तक कि भारत जोड़ो यात्रा समाप्त न हो जाए। राजमार्ग कश्मीर की जीवन रेखा है और देश के बाकी हिस्सों के साथ लैंडलॉक घाटी को जोडऩे वाली मुख्य सडक़ है।

बागेश्वर धाम के भक्तों के लिए बड़ी खबर, पंडित धीरेंद्र शास्त्री को मिली क्लीन चिट

नागपुर (आरएनएस)। बागेश्वर धाम बाबा पंडित धीरेंद्र शास्त्री को नागपुर पुलिस ने क्लीन चिट दे दी है। ये क्लीनचिट धीरेंद्र शास्त्री पर लगे अंधविश्वास फैलाने के आरोपों को लेकर है। धीरेंद्र शास्त्री का नागपुर में 5 से 11 जनवरी के बीच कार्यक्रम हुआ था जिसमें बाबा पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगा था। इसके बाद धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के उपाध्यक्ष श्याम मानव ने शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं जांच के बाद अब नागपुर पुलिस ने बाबा को क्लीन चिट दे दी है। पुलिस का कहना है कि बाबा के ऊपर जो आरोप श्याम मानव की ओर से लगाए गए थे। वे पूरी तरह से निराधार हैं। हमने जांच में पाया कि बाबा ने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे कि उनके ऊपर अंधविश्वास फैलाने जैसा आरोप साबित हो।

तस्करी वाले सोना को पिघलाने वाले कारखाने का भंडाफोड़, 22 करोड़ का सोना बरामद

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बुधवार को कहा कि उसने मुंबई में सोने की तस्करी के एक कारखाने का भंडाफोड़ किया है और 22 करोड़ रुपये की कीमत के 36.9 किलोग्राम सोना बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक, एक शख्स को डीआरआई ने गिरफ्तार भी किया है। हालांकि, उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया है। अधिकारी ने कहा, सोने की तस्करी के नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमने 23 जनवरी को मुंबई में सोना पिघलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। हमने 36.9 किलोग्राम तस्करी का सोना बरामद किया है। अधिकारी ने कहा कि विदेशी नागरिकों सहित विभिन्न लोगों द्वारा सोने की भारत में तस्करी की जाती थी, कैप्सूल, यात्रा बैग, कपड़े की परतों के रूप में और विभिन्न प्रकार की मशीनों में भी छिपाकर सोने की तस्करी की जाती थी।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल-सीसी ने मोदी से की मुलाकात

❐ **पीएम ने कहा- आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा**

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और मिस्र ने रक्षा उद्योगों के क्षेत्र में सहयोग को और मज़बूत करने, आतंकवाद से निपटने संबंधी सूचना एवं खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान बढ़ाने सहित अपनी द्विपक्षीय भागीदारी को सामरिक गठजोड़ के स्तर पर ले जाने का निर्णय किया है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल-सीसी के साथ बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आतंकवाद मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरा है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि सीमापार आतंकवाद को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमने आज अपने रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को और मज़बूत करने, आतंकवाद से निपटने संबंधी सूचना एवं खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्दुल फतह अल-सीसी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे हैं। बुधवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति अल सीसी ने कई विषयों पर चर्चा की। मिस्र के राष्ट्रपति अल-सीसी ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद कहा, 'हमने क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर बातचीत की; द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया। दोनों नेताओं के बीच बैठक के बाद छह समझौतों/समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर एक स्मृति डाकटिकट का आदान प्रदान किया गया। सीसी 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि हैं। उनके साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। यह पहला मौका है जब मिस्र के राष्ट्रपति को गणतंत्र दिवस समारोहों में मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। मिस्र की सेना की एक टुकड़ी भी गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेगी।

बता दें कि आज यानी बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी महत्वपूर्ण बैठक होगी। भारत और मिस्र कृषि, साइबर सुरक्षा, रक्षा, व्यापार, पर्यटन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के सहयोगी हैं। इस दौरान अल-सिसी ने कहा कि मिस्र और भारत के बीच संबंधों की विशेषता संतुलन और स्थिरता रही है। हमने केवल रचनात्मक विकास देखा है। हम सभी बहुत सकारात्मक रूप से विकसित हो रहे हैं।

अल-सिसी ने कहा कि मैं इस महान दिन के लिए भारतीय राष्ट्र, सरकार और लोगों को अपनी बधाई दोहराता हूं। सम्मानित अतिथि बनना और गौरवशाली राष्ट्रीय दिवस में भाग लेना मेरे लिए एक महान सौभाग्य है। इससे पहले मंगलवार को उनके नई दिल्ली पहुंचने पर राज्य मंत्री (विदेश) राजकुमार रंजन सिंह ने उनकी अगवानी की। सिसी के भारत पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया और कहा, 'राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी का भारत में गर्मजोशी से स्वागत है। हमारे गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में आपकी भारत की ऐतिहासिक यात्रा सभी भारतीयों के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है।'

गणतंत्र दिवस पर सुप्रीमकोर्ट अपने 1,091 फैसले पंजाबी, संस्कृत सहित कई स्थानीय भाषाओं में फ्री उपलब्ध करवायेगा

'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स (ई-एससीआर) प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि 'इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स (ई-एससीआर) परियोजना गणतंत्र दिवस से संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज भाषाओं में न्यायालय के फैसलों तक पहुंच मुहैया कराना शुरू कर देगी। पीठ के सुनवाई के लिए बैठते ही प्रधान न्यायाधीश ने वकीलों से कहा कि शीर्ष अदालत बृहस्पतिवार को ई-एससीआर परियोजना के एक हिस्से का क्रियान्वयन शुरू करेगी, जिसके तहत अनुसूची में दर्ज कुछ स्थानीय भाषाओं में फैसलों तक नि:शुल्क पहुंच उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने कहा, ई-एससीआर के अलावा, अब हमारे पास स्थानीय भाषाओं में उच्चतम न्यायालय के 1,091 फैसले भी हैं, जो गणतंत्र दिवस पर उपलब्ध होंगे। संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं हैं। इनमें असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उडिय़ा, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी शामिल हैं। उच्चतम न्यायाल के फैसले ई-एससीआर परियोजना के अलावा शीर्ष अदालत की वेबसाइट, उसके मोबाइल ऐप और राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड (एनजेडीजे) के निर्णय पोर्टल पर उपलब्ध होंगे।

लखनऊ के हजरतगंज इलाके में ढही बहुमंजिला इमारत, सास-बहू की मौत

लखनऊ (आरएनएस)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके में मंगलवार शाम ढही एक बहुमंजिला इमारत के मलबे में दबी एक बुजुर्ग महिला और उनकी बहू की बुधवार को इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर आनंद ओझा ने बताया कि हादसे के बाद आज सुबह मलबे से निकाली गई बेगम हैदर (72) और उनकी बहू बताई जा रही उजमा (46) की अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक डीएस चौहान ने संवाददाताओं को बताया हमें दो और व्यक्तियों के बारे में पता चला है। उनकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन एक बैंक के कर्मचारी दुर्घटनाग्रस्त इमारत में किसी ग्राहक के यहां काम से आए थे और उनके साथ में एक और व्यक्ति था। उनको भी हम लोग खोज रहे हैं। उधर मेरठ से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण के हवाले से मिली

रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले में किठौर से सपा विधायक पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर के बेटे नवाजिश को आज सुबह पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर लखनऊ ले जाया गया है। अभी उसे आधिकारिक रूप से गिरफ्तार नहीं किया गया है। इमारत किन कारणों से गिरी, यह विशेषज्ञों की जांच के बाद ही पता चलेगा। कोई कह रहा है कि बिल्डिंग के नीचे ड्रिलिंग का काम हो रहा था। कोई कह रहा था कि भूकंप का भी परिणाम हो सकता है। लेकिन जो प्रथम दृष्टया दिख रहा है वह यह कि इमारत का निर्माण बहुत घटिया सामग्री से किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट राणा अय्यूब की याचिका पर अब 31 जनवरी को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत से पत्रकार राणा अय्यूब के खिलाफ धन शोधन से जुड़े मामले की 27 जनवरी को निर्धारित सुनवाई, 31 जनवरी के बाद की तारीख तक स्थगित करने के लिए बुधवार को कहा. राणा अय्यूब ने प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) द्वारा उनके खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी है. अदालत ने उन्हें 27 जनवरी को पेश होने को कहा है. शीर्ष अदालत ने कहा कि वह राणा की याचिका पर 31 जनवरी को सुनवाई करेगी.

न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन की

पीठ ने कहा, मामले को 31 जनवरी के लिए सूचीबद्ध करें. इस बीच गाजियाबाद विशेष अदालत से मामले की सुनवाई स्थगित करने और 27 जनवरी को निर्धारित सुनवाई को 31 जनवरी के बाद की तारीख पर रखने का आग्रह किया जाता है. अय्यूब की ओर से पेश हुईं अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया था कि गाजियाबाद की विशेष अदालत ने याचिकाकर्ता को 27 दिसंबर को तलब किया है. शीर्ष अदालत ने कहा कि यह आदेश इसलिए पारित किया गया है क्योंकि समय की कमी के कारण अय्यूब की याचिका पर बुधवार से पहले सुनवाई नहीं की जा सकती. अय्यूब ने अपनी रिट याचिका में अधिकार क्षेत्र के बाहर कार्रवाई करने का हवाला देते हुए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गाजियाबाद में शुरू की गई कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया है, क्योंकि धन शोधन का कथित अपराध मुंबई में हुआ था.

गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत ने पिछले साल 29 नवंबर को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया था और अय्यूब को तलब किया था. प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले साल 12 अक्टूबर को अय्यूब के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिसमें उन पर लोगों को धोखा देने और अपनी निजी संपत्ति बनाने के लिए 2.69 करोड़ रुपये के 'चैरिटी फंड' (परमार्थ निधि) का इस्तेमाल करने तथा विदेशी चंदा कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है.

कश्मीर में ताजा बर्फबारी, श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं प्रभावित

श्रीनगर (आरएनएस)। कश्मीर में अधिकतर स्थानों पर ताजा बर्फबारी से दृश्यता घटकर 500 मीटर रह गई, जिससे घाटी में बुधवार को विमान सेवाएं प्रभावित हुईं. कश्मीर के अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी हुई. मौसम विज्ञान विभाग ने दिन बढऩे पर बारिश की तीव्रता कम होने का पूर्वानुमान लगाया है.

अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर हवाई अड्डे पर सभी उड़ानों की आवाजाही में विलंब हुआ. हालांकि हवाई अड्डे पर अधिक बर्फ एकत्रित नहीं हुई है, लेकिन दृश्यता के 500 मीटर पर पहुंचने से उड़ान संचालन प्रभावित हुआ. उन्होंने बताया कि दृश्यता के कम से कम 1000 मीटर होने पर विमानों का संचालन बहाल किया जाएगा. यातायात विभाग के मुताबिक, श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ जगहों पर बारिश के दौरान पत्थर गिरने की कुछ घटनाएं हुईं; लेकिन यातायात सुचारु रहा. लोगों को नाशरी और बनिहाल के बीच राजमार्ग पर तब तक जाने से बचने को कहा गया है, जब तक कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' वहां से गुजर न जाए.

यातायात विभाग ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के रामबन से बनिहाल की ओर जाने के मद्देनजर, काजीगुंड से बनिहल-रामबन की ओर और नाशरी से रामबन-बनिहल की ओर किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी. इस बीच, घाटी में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई. अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. काजीगुंड में तापमान शून्य से नीचे 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग में तापमान शून्य से नीचे 0.7 डिग्री सेल्सियस, कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 0.6 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में शून्य से नीचे 4.6 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में शून्य से नीचे 2.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया. मौसम विज्ञान विभाग ने बृहस्पतिवार को कुछ इलाकों में बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बर्फबारी या बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया है.

कश्मीर में अभी 'चिल्लई-कलां' का दौर जारी है. यह 40 दिन तक चलता है, जिसमें कश्मीर घाटी में शीतलहर चलने के साथ ही तापमान में काफी गिरावट दर्ज की जाती है. इस अवधि में बर्फबारी की प्रबल संभावना रहती है, खासकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होती है. 'चिल्लई-कलां' का दौर 30 जनवरी को समाप्त होगा और उसके बाद 20 दिन का 'चिल्लई-खुर्द' शुरू होगा, जिसमें भी कश्मीर घाटी में शीतलहर जारी रहेगी. फिर 10 दिन का 'चिल्लई बच्चा' का दौर रहेगा, तब घाटी में ठंड में कमी आने लगेगी.

जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ नल कनेक्शन प्रदान करना 'बड़ी उपलब्धि':पीएम

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन के तहत 11 करोड़ नल कनेक्शन प्रदान करने को एक 'बड़ी उपलब्धि' बताया और बुधवार को कहा कि यह दर्शाता है कि देश भर में लोगों को पाइप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जमीन पर कितना काम किया गया.

इस मिशन का उद्देश्य 2024 तक महिलाओं और बच्चों पर विशेष ध्यान देने के साथ ही घरों में नल के पानी की आपूर्ति प्रदान करना है. मोदी ने एक ट्वीट में कहा कि एक बड़ी उपलब्धि, जो संकेत देती है कि भारत के लोगों को हर घर जल सुनिश्चित करने के लिए जमीन पर कितना काम किया गया. उन सभी को बधाई, जो इस पहल से लाभान्वित हुए हैं. इस मिशन को सफल बनाने के लिए जमीन पर काम करने वालों को शुभकामनाएं. प्रधानमंत्री ने जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के एक ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही.

शेखावत ने कहा कि 11 करोड़ नल कनेक्शन! हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण, मंत्रालय द्वारा जल जीवन मिशन के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किए गए अथक प्रयास और जमीन पर हमारी टीम के प्रयासों ने इस मील के पत्थर को संभव बनाया है. उन्होंने कहा कि 11 करोड़ घरों में अब स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित हो गया है और जीवन का यह अमृत उनके दरवाजे तक पहुंच रहा है.

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र के प्रति संबोधन

❐ **कोविड-19 से भारत की अर्थव्यवस्था को भी काफी नुकसान हुआ**

❐ **हम शीघ्र ही मंदी से बाहर आ गए**

❐ **महिला सशक्तीकरण अब केवल नारे नहीं**

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 74वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार (25 जनवरी) को राष्ट्र को संबोधित किया. उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत देशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई देने के साथ की. राष्ट्रपति ने कहा कि चौहत्तरवें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर, देश और विदेश में रहने वाले आप सभी भारत के लोगों को, मैं हार्दिक बधाई देती हूं. जब हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं, तब एक राष्ट्र के रूप में हमने मिल-जुल कर जो उपलब्धियां प्राप्त की हैं, उनका हम उत्सव मनाते हैं.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हर नागरिक को गौरव गाथा पर गर्व है. हम सब एक ही हैं, और हम सभी भारतीय हैं. इतने सारे पंथों और इतनी सारी भाषाओं ने हमें विभाजित नहीं किया है बल्कि हमें जोड़ा है. इसलिए हम एक लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में सफल हुए हैं. यही भारत का सार-तत्व है.

संविधान-निर्माताओं का किया धन्यवाद- उन्होंने कहा कि भारत एक गरीब और निरक्षर राष्ट्र की स्थिति से आगे बढ़ते हुए विश्व-मंच पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र का स्थान ले चुका है. संविधान-निर्माताओं की सामूहिक बुद्धिमत्ता से मिले मार्गदर्शन के बिना यह प्रगति संभव नहीं थी. भारत हमेशा डॉ बीआर अंबेडकर का आभारी रहेगा, जिन्होंने संविधान की मसौदा समिति का नेतृत्व किया और इस प्रकार इसे अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

राष्ट्रपति ने कहा कि हमें विधिवेत्ता बीएन राऊ की भूमिका को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने प्रारंभिक मसौदा तैयार किया था और अन्य विशेषज्ञ और अधिकारी जिन्होंने संविधान बनाने में मदद की. हमें इस बात पर गर्व है कि उस एसेंबली के सदस्यों ने भारत के सभी क्षेत्रों और समुदायों का प्रतिनिधित्व किया और उनमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं.

हम शीघ्र ही मंदी से बाहर आ गए- कोविड-19 का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कोरोना की वजह से अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान हुआ है. कोरोना से घबराने की जरूरत नहीं है, हम पूरी तरह से तैयार हैं. पिछले साल भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया. यह उपलब्धि, आर्थिक अनिश्चितता से भरी वैश्विक पृष्ठभूमि में प्राप्त की गई है. सक्षम नेतृत्व और प्रभावी संघर्षशीलता के बल पर हम शीघ्र ही मंदी से बाहर आ गए और अपनी विकास यात्रा को फिर से शुरू किया. ये सरकार के समय पर और सक्रिय हस्तक्षेप से संभव हुआ है. आत्मनिर्भर भारत पहल को बड़े पैमाने पर लोगों के बीच शानदार प्रतिक्रिया मिली है.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तारीफ की- राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षार्थियों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करते हुए हमारी सभ्यता पर आधारित ज्ञान को समकालीन जीवन के लिए प्रासंगिक बनाती है. हम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों पर गर्व का अनुभव कर सकते हैं. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में, भारत गिने-चुने अग्रणी देशों में से एक रहा है. भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए गगनयान कार्यक्रम प्रगति पर है. यह भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान होगी.

महिला सशक्तीकरण अब केवल नारे नहीं- राष्ट्रपति ने कहा कि महिला सशक्तीकरण तथा महिला और पुरुष के बीच समानता अब केवल नारे नहीं रह गए हैं. मेरे मन में कोई संदेह नहीं है कि महिलाएं ही आने वाले कल के भारत को स्वरूप देने के लिए अधिकतम योगदान देंगी. सशक्तीकरण की यही दृष्टि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों सहित, कमजोर वर्गों के लोगों के लिए सरकार की कार्य-प्रणाली का मार्गदर्शन करती है. वास्तव में हमारा उद्देश्य न केवल उन लोगों के जीवन की बाधाओं को दूर करना और उनके विकास में मदद करना है, बल्कि उन समुदायों से सीखना भी है.

पर्यावरण की रक्षा का किया आह्वान- द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोग, पर्यावरण की रक्षा से लेकर समाज को और अधिक एकजुट बनाने तक, कई क्षेत्रों में सीख दे सकते हैं. इस वर्ष भारत त्र-20 देशों के समूह की अध्यक्षता कर रहा है. विश्व-बंधुत्व के अपने आदर्श के अनुरूप, हम सभी की शांति और समृद्धि के पक्षधर हैं. जी-20 की अध्यक्षता एक बेहतर विश्व के निर्माण में योगदान हेतु भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करती है.